



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. १]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर १३, १९८०/अग्रहायण २२, १९०२

No. 1]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 13, 1980/AGRAHAYANA 22, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न भी जाती हैं जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate pagling is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (iii) Part II—Sec. 3—Sub-Sec. (iii)

(संघ राज्यकान्त्र प्रशासनों को छोड़ कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं

Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली ५ सितम्बर, १९८०

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 5th September, 1980

का० आ० ३५१०.—यह, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, १९८० में तुएँ लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए १०-चिरायिकिल निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री के० पी० विजयन, मेलाकुट्टीचल थोड़ा, पी० सिटीकोट्टाम, त्रिवेद्म, (केरल), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

परी, यह, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्थानीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस गतिकलन के लिए कोई प्रयाप्त कारण या न्याययोचित नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा १०-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं द्वारा उक्त श्री के० पी० विजयन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के भवस्य बैठने जाने और होने के लिए इस आदेश की नारीग्र से तीन बर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. केरल-नॉ. स०/१९/८०(९)]

S.O. 3510.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. P. Vijayan Melekkuttikal Veedu, Sreekoryam P.O., Trivandrum (Kerala), a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 19-Chirayinkil Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. P. Vijayan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-HP/19/80(9)]

(1)

का० आ० 3511.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए नामांकण निर्वाचन के लिए 32-नीलाम्बुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री के० एम० गोपालकृष्णन, जनता पार्टी नायांचित्र, नीलाम्बुर (केरल), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदृशीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित प्रपत्ते निर्वाचन व्यवों का लेखा दाखिल करते में असफल रहे हैं :

ओर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अपवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए नोई प्रयोग कारण या न्यायांचित्र नहीं है ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री के० एम० गोपालकृष्णन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अपवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस शादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाशधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० केरल-वि० स०/32/80(28)]

S.O. 3511.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. M. Gopalakrishnan, Janata Party Office, Nilambur (Kerala) a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 32-Nilambur Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. M. Gopalakrishnan to be disqualified for being chosen, as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date this order.

[No. KL-LA/32/80(28)]

का० आ० 3512—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 35-पोतडोही निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार एड्वोकेट के० पी० मोहम्मद, कुरुपथ, पी० कोनडाट्टी, जिला मलापुरम (केरल), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदृशीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित प्रपत्ते निर्वाचन व्यवों का लेखा दाखिल करते में असफल रहे हैं ।

ओर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अपवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयोग कारण या न्यायांचित्र नहीं है ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त एड्वोकेट के० पी० मोहम्मद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अपवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस शादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाशधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० केरल-वि० स०/प35/80(29)]

S.O. 3512.—Whereas the Election Commission is satisfied that Advocate K. P. Mohammed, Kuruppatt, P.O. Kondoit, District Malappuram (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in

January, 1980 from 35-Kondoit Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Advocate K. P. Mohammed to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/35/80(29)]

मई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1980

का० आ० 3513.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 98-शेरथालाई निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पार० धी० देवू, वेलाहल धी०, धीकाट्टूसेरी, पो० पा० शेरथालाई (केरल), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदृशीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित प्रपत्ते निर्वाचन व्यवों का लेखा दाखिल करते में असफल रहे हैं ।

ओर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी उस असफलता के लिए कोई कारण अपवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयोग कारण या न्यायांचित्र नहीं है ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री पार० धी० देवू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अपवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस शादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाशधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० केरल-वि० स०/98/90(30)]

New Delhi, the 25th September, 1980

S.O. 3513.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri R. V. Devu, Vallavil Veedu, Thycattussery P.O. Sherthalai (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 98-Sherthalai Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri R. V. Devu to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/98/80(30)]

मई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1980

का० आ० 3514.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 107-अरमपुरा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री के० सी० सेमुपल, आनन्द भवन, पी० ऐलादुमथिट्टा (केरल), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदृशीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित प्रपत्ते निर्वाचन व्यवों का लेखा दाखिल करते में असफल रहे हैं ।

और, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस प्रसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसफलता के लिए कोई प्रयोग कारण या न्यायीचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री कें सी० सेमुम्मल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाहित घोषित करता है।

[सं० केरल-वि०स०/107/80(31)]

New Delhi, the 26th September, 1980

S.O. 3514.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. C. Samuel, Ananda Bhavan, Elavumthitta P.O. (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 107-Aranmula Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. C. Samuel to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/107/80(31)]

का० आ० 3515—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 106-फल्लूपारा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एनेजेड अग्रहारीम (राजाचान) पुथेनपुराकल, पी० मल्लापाली वेस्ट (केरल), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इन प्रसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसफलता के लिए कोई प्रयोग कारण या न्यायीचित्य नहीं है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री एनेजेड अग्रहारीम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाहित घोषित करता है।

[सं० केरल-वि०स०/106/80(32)]

S.O. 3515—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Alexander Abraham (Rajasthan), Puthenpurakal, Mallappally West P.O. (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980, from 106-Kalooppara Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Alexander Abraham to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/106/80(32)]

नई दिल्ली, 27 सिसम्बर, 1980

का० आ० 3516—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 108-चेन्नानूर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री वी० क० वर्गील, वर्गीस कुट्टी, वाइके मावीनाथ, चेरीयन्नाड, चेन्नानूर (केरल), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस प्रसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसफलता के लिए कोई प्रयोग कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री वी० क० वर्गील को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाहित घोषित करता है।

[सं० केरल-वि०स०/108/80(33)]

New Delhi, the 27th September, 1980

S.O. 3516.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri V. K. Varghese, Varghese Kutty, Vadakee Mavinnath, Cherianad Chengannur (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 108-Chengannur Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the people Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri V. K. Varghese to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/108/80(33)]

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1980

का० आ० 1617—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 136-विवेन्द्रम वेस्ट निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बसीर मोहम्मद कुन्जु, नेडियाक्किम, बेवेलिकाकम, इराकियुरा, कुल्लोन (केरल), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस प्रसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसफलता के लिए कोई प्रयोग कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री बसीर मोहम्मद कुन्जु को संसद के किसी

भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भारदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० केरल-वि-स०/135/80(34)]

New Delhi, the 1st October, 1980

S.O. 3517.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Basheer Mohammed Kunju, Nediyazhakkam Thekkvilakam, Eravipura Quilon (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 135-Trivandrum West Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Basheer Mohammed Kunju to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/135/80(34)]

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1980

का० आ० 3518.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 122-चवारा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एम० उमर खान, प्राइज़ विहार, बेंगलुरी नैकू, थाल्लावा, करनामापल्ली, (केरल), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयत्न कारण या न्यायोचित नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री एम० उमर खान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भारदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० केरल-वि० स०/122/80(35)]

New Delhi, the 6th October, 1980

S.O. 3518.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri M. Ummer Khan, Iyja Vihar Thekkumkunnu Mekku, Thazhava, Karunagappilly (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 122-Chavara Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the notice to show cause for the failure was issued at the address given by the candidate;

And whereas the said notice was received back undelivered as the whereabouts of the candidate are not known;

And whereas the said notice has been affixed at the residence of Shri M. Ummer Khan as he could not be contacted and Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri M. Ummer Khan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/122/80(35)]

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1980

का० आ० 3519.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 81-कोठामांगलम् नि विन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री के० पी० वर्गीस, की ज्ञाकेमाटोम्, एम० ए० कालेज जंक्शन, कोठामांगलम् (केरल), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयत्न कारण या न्यायोचित नहीं है;

अतः अब, उक्त प्राधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री के० पी० वर्गीस को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भारदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० केरल-वि० स०/81/80(36)]

New Delhi, the 7th October, 1980

S.O. 3519.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. P. Varghese Kizhakkemattom, M.A. College Junction, Kothamangalam (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 81-Kothamangalam Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. P. Varghese to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/81/80(36)]

का० आ० 3220.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 71—नाराकल (एस० सी०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री के० ए० कालन, कोरासेरी वीड़, पी० पालीपाट, जिला इरनाकुलम् (केरल), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार मे, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयत्न कारण या न्यायोचित नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री के० ए० कालन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने

जाने और होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[स० केरल-वि० स०/71/80(27)]

S.O. 3520.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. A. Kannan Kurassery Veeau, P.O. Palipart, District Ernakulam (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 71-Nalakkal (SC) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. A. Kannan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/71/80(37)]

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 1980

का० प्रा० 3521.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हृषि केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 121-वारनागापल्ली निर्वाचन-धोत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री इसमाइल कुन्जू, शाधिनियास, मानापर्ला, पौ० आ०, धाराया (केरल) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तारीख वाला गए नियमों द्वारा घोषित अपने निर्वाचन व्यर्थों का लोटा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी उस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयाप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

यतः यतः, उक्त अधिनियम को धारा 10-के प्रत्युत्तरण में निर्वाचन आयोग एवंद्वारा उक्त श्री इसमाइल कुन्जू वां संसद के लिए भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[स० केरल-वि० स०/121/80(38)]

New Delhi, the 9th October, 1980

S.O. 3521.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ismail Kunju, Santhiivus Manappillu P.O., Thazhava (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 121-Karunagappally Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ismail Kunju to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/121/80(38)]

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 1980

का० प्रा० 3522.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हृषि केरल लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 12 मछली पटनम निर्वाचन-धोत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नूटाक्की रामा शह्वा, कुक्कुमदाली, गुर्दीवाड़ा तालुक जिला कृष्णा (आन्ध्र प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा घोषित अपने निर्वाचन व्यर्थों का कोई भी सेवा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

यतः, यतः, उक्त उस उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयाप्त कारण या न्यायोचित नहीं है।

यतः यतः, उक्त अधिनियम को धारा 10-के प्रत्युत्तरण में निर्वाचन आयोग एवंद्वारा उक्त श्री नूटाक्की रामा शह्वा को सदन के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[स० प्रा०-प्र०-स०० स०/12/80(16)]

New Delhi the 22nd October, 1980

S.O. 3522.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nutakki Ramabrahmam, Kurumaddali, Gudivada Taluk, Krishna District (Andhra Pradesh), a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 12-Machilipatnam Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nutakki Ramabrahmam to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-HP/12/80(16)]

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1980

का० प्रा० 3523.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हृषि केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 84-हुक्की निर्वाचन-धोत्र के चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री धामस मेध्य, पानाकाचीरा, कोचु थोवाला, उपकन्त्वम पौ० आ० (केरल), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा घोषित अपने निर्वाचन व्यर्थों का कोई भी लोटा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

यतः, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयाप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

यतः यतः, उक्त अधिनियम को धारा 10-के प्रत्युत्तरण में निर्वाचन आयोग एवंद्वारा उक्त श्री थोमस मेध्य को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[स० केरल-वि० स०/84/80(39)]

New Delhi, the 23rd October, 1980

S.O. 3523.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Thomas Mathew, Panackachirakochuthovala, Uppukandam P.O. (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 84-Idukki Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Thomas Mathew, to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/84/80(39)]

का० आ० 3524—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 134-तिवेन्द्रम नार्थ निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री थीरुमाला बालाकृष्णन नायर, इल्लिपोट्टू मेल वोइ, टी-सी-8/295, थीरुमाला, तिवेन्द्रम-6 (केरल) सोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ।

और, यत, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी उस असफलता के लिए कोई कारण प्रवाह स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयोग्यता कारण या न्यायावैचित्र नहीं है ।

अतः श्रव, यत, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री थीरुमाला बालाकृष्णन नायर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रवाह विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है ।

[स० केरल वि० स०/134/80(40)]

S.O. 3524—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Thirumala Balakrishnan Nair, Illippottu Melv Veedu, T.C-8/295, Thirumala, Trivandrum-6 (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 134-Trivandrum North Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Thirumala Balakrishnan Nair to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/134/80(40)]

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर 1980

का० आ० 3525—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 85-उद्मवन्धोला निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एम० आर० दामोदरन्, ब्लाक स० 45, कल्लार पो० आ०, के० पी० कालोनी (केरल), सोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए

गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ।

और, यत, उक्त उम्मीदवार द्वारा ये गये अस्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयोग्यता कारण या न्यायावैचित्र नहीं है ।

अतः श्रव, यत, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री एम० आर० दामोदरन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रवाह विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है ।

[स० केरल वि० स०/85/80 (41)]

New Delhi, the 24th October, 1980

S.O. 3525.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri M. R. Damodaran, Block No. 45, Kallar P.O., K. P. Colony (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 105-Udumbanchola Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri M. R. Damodaran to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/85/80(41)]

का० आ० 3526—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 86-पीर माडे निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री आर० के० चेलियाह, के० के० रोड, बंडेपेरीयार-685533 (केरल) सोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ।

और, यत, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी उस असफलता के लिए कोई कारण प्रवाह स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयोग्यता कारण या न्यायावैचित्र नहीं है ।

अतः श्रव, यत, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री आर० के० चेलियाह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रवाह विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है ।

[स० केरल वि० स०/86/80(42)]

S.O. 3526.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri R. K. Chelliah, K. K. Road, Vandiperiyar-685533 (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 86-Peermade Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri R. K. Chelliah to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/86/80(42)]

का० आ० 3527—यतः, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 96-वायकम (आ० आ०) निर्वाचित-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कुंजन कुंजन, माशूवन वेरीहल, सानीवोयामापुरम पो० आ० कॉटायम जिला (केरल), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदृगीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रोति से अपने निर्वाचित व्यर्थों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्बन्धित सूचना दिये जाने पर भी अपनी उस असफलता के लिए कोई कारण अवश्य स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयत्न कारण या व्यापौरित्य नहीं है;

प्रतः अब, उक्त प्रतिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री कुंजन कुंजन को संबंध के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अवश्य विधान परिषद् के मद्दत्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० केरल-वि० स०/96/80(43)]

S.O. 3527.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kunjan Kunjan Mazhuvancheri, Sachivotthamapuram P.O. Kottayam District (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 96-Vaikom (SC) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kunjan Kunjan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/96/80(43)]

नहीं दिल्ली, 25 अक्टूबर 1980

का० आ० 3528—यतः, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 47-मन्नारकाद निर्वाचित-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री के० गोपालन्, कुन्न्यालील आक्स, कुपा कुरुक्षी पो० आ० पोटा सेरी (केरल एटे) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदृगीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचित व्यर्थों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्बन्धित सूचना दिये जाने पर भी अपनी उस असफलता के लिए कोई कारण अवश्य स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयत्न कारण या व्यापौरित्य नहीं है;

प्रतः अब, उक्त आदेश की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री के० गोपालन् को संबंध के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अवश्य विधान परिषद् के मद्दत्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० केरल-वि० स०/47/80(44)]

New Delhi, the 25th October, 1980

S.O. 3528.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. Gopalan, Kunthali House, Kuppakurussi P.O. Pottassery (Kerala State), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 47-Mannarkkad Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. Gopalan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/47/80(44)]

का० आ० 3529—यतः, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 47-मन्नारकाद निर्वाचित-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री थम्पी वर्गीस, वेलाक्कल हात्तम, पो० आ० मुट्टुकुल्ली, (केरल एटे) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदृगीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचित व्यर्थों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्बन्धित सूचना दिये जाने पर भी अपनी उस असफलता के लिए कोई कारण अवश्य स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयत्न कारण या व्यापौरित्य नहीं है;

प्रतः अब, उक्त आदेश की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री थम्पी वर्गीस को संबंध के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अवश्य विधान परिषद् के मद्दत्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० केरल-वि० स०/47/80(45)]

S.O. 3529.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Thampi Varghese, Vedakkal House, P.O. Muttkurussi (Kerala State), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 47-Mannarkkad Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Thampi Varghese to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/47/80(45)]

का० आ० 3530—यतः, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 47-मन्नारकाद निर्वाचित-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री के० वेलू थीरा, पुत्र, आपालन कुरुक्षी, पो० आ० पोटा सेरी, (केरल), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदृगीन बनाए गए नियमों द्वारा

अपेक्षित अपने निर्वाचित आयोग का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ओर, यह, उक्त उम्मीदवार ने, उसे समाह सूचना दिये जाने पर भी अपनी उस असफलता के लिए कोई कारण अधिकार स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्र नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री के० वेलुथिरा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० केरल-वि० सं०/47/80(46)]

S.O. 3530.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. Veluthira, S/o Chathankutty, P.O. Pottasseri (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 47-Mannarkkad Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. Veluthira to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/47/80(46)]

नई दिल्ली, 5 नवम्बर 1980

का० आ० 3531—यह, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि अनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचित के लिए 136-त्रिवेन्द्रम पूर्व निर्वाचित-सेक्रेट से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पाण्डुरंग मोहम्मद बर्मीर, मुद्रास्थ बट्टानामाकम, टी० न० 291, पारावूर (केरल), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचित घटयों का कोई भी लेखा रीति से दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ओर यह, उक्त उम्मीदवार को आयोग द्वारा इस बारे में सूचना दिए जाने पर भी वह अपने लेखे की घुटियों का परिशोधन करने में असफल रहा है और निर्वाचित आयोग को यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्र नहीं है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री प.र.मूर मोहम्मद बर्मीर, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[नं० केरल-वि० सं०/136/80(47)]

New Delhi, the 5th November, 1980

S.O. 3531.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Paravoor Mohammed Basheer, Muttathu Vattanamzhakam, T. No. 291, Paravoor (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 136-Trivandrum East Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate has failed to rectify the defects in his account in spite of the Commission's Notice to that effect, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Paravoor Mohammed Basheer to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/136/80(47)]

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 1980

का० आ० 3532—यह, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि अनवरी, 1980 में हुए केरल विधान गमा के लिए साधारण निर्वाचित के लिए 112-पठानमथिटा निर्वाचित-सेक्रेट से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री विवेक कर्णतकर्ण, वालाकेकाला, आडाकेयील, नेलिकाला, इलास्थूर, क्यूहलोन (केरल), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचित घटयों का कोई भी लेखा समय के अन्दर सभा रीति से दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ओर, यह, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्बन्धित सूचना किये जाने पर भी अपनी उस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्र नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री विवेक कर्णतकर्ण, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० केरल-वि० सं०/112/80 (48)]

New Delhi, the 17th November, 1980

S.O. 3532.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vijayan Karunakaran, Vadakkekala Vadakkethil Nelliakala, Elanthoor, Quilon (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 112-Pathanamthitta Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vijayan Karunakaran to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/112/80(48)]

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1980

का० आ० 3533—यह, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि अनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण/निर्वाचित के लिए 100-एलेंस निर्वाचित-सेक्रेट से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार एस० मोहन लाल, इडवांकेट, बार कॉस्टिल, एलेंस (केरल) सोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचित घटयों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ओर, यह, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्बन्धित सूचना किये जाने पर भी अपनी उस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्र नहीं है;

भ्रष्ट: श्री, उम्रत अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन अधिनियम एतद्वारा उक्त एम्पी भ्रोहन लाल (एडकोट) को समव वे किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथम विधान परिषद् के सदस्य बुझे और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्वित घोषित करता है।

[सं. केरल-वि० सं०/100/80 (49)]

आदेश से,

श्रम्योर, अपर सचिव

New Delhi, the 24th November, 1980

S.O. 3533.—Whereas the Election Commission is satisfied that S. Mohan Lal, Advocate, Bar Council, Alappuzha (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 100-Alleppey Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said S. Mohan Lal (Advocate) to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order:

[No. KL-LA/100/80(49)]

DHARAM VIR, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1980

का० आ० 3534.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निवाचन आयोग, अन्धमान और निकोबार द्वीप प्रशासन के परामर्श से श्री अशोक जोधी के स्थान पर श्री आजेंद्र कुमार सिंह, मुख्य सचिव अंडमान और निकोबार द्वीप प्रशासन की तारीख 22 जुलाई, 1980 से अग्रमें आवेदी तक अन्धमान और निकोबार द्वीप संघ राज्य बोर्ड के मुख्य निवाचन अधिकारी के रूप में एतद्वारा नामनिर्देशित करता है।

[सं. 154/अंडमान/80]

New Delhi, the 23rd October, 1980

S.O. 3534.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Administration of the Andaman and Nicobar Islands hereby nominates Shri Brajesh Kumar Singh, Chief Secretary, Andaman and Nicobar Administration as the Chief Electoral Officer for the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands with effect from the 22nd July, 1980 and until further orders vice Shri Ashoke Joshi,

[No. 154/ANI/80]

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 1980

का० आ० 3535.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निवाचन आयोग, कर्माटिक सरकार के परामर्श से श्री के. आर० चमेया के स्थान पर श्री आर० सम्पत कुमारन, विशेष सचिव कार्यालय प्रशासनिक मुख्यालय विभाग की तारीख 20 अक्टूबर, 1980 से 987 GI/80—2

अगले आदेशों तक कर्माटिक राज्य के मुख्य निवाचन अधिकारी के रूप में एतद्वारा नामनिवेशित करता है।

[सं. 154/कर्माटिक/80]

आदेश से,

वी. नगसुब्रमण्यन, सचिव

New Delhi, the 5th November, 1980

S.O. 3535.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Karnataka hereby nominates Shri R. Sampath Kumar, Special Secretary to Government, Department of Personnel and Administrative Reforms as the Chief Electoral Officer for the State of Karnataka with effect from the 29th October, 1980 and until further orders vice Shri K. R. Chamayya.

[No. 154/Karnataka/80]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1980

का० आ० 3536.—यह, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निवाचन के लिए 99-मोगा निवाचन क्षेत्र से पुनाद लहरे वाले उम्मीदवार श्री गुरबक्ष मिह, गाव व पौ. आर० बोधावाल, जिला करीदकोट (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रतिवित प्रभने निर्वाचन अधीकी का कोई भी लेखा दर्शित करने में असफल रहे हैं,

और भवत, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक मूल्यना दिया जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथमा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निवाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए शोही पर्याप्त कारण या व्यापीचित नहीं है :

यह, श्री, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निवाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री गुरबक्ष मिह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथम विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. पंजाब-वि० सं०/99/80 (12)]

New Delhi, the 24th October, 1980

S.O. 3536.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gurbux Singh, Village and P.O. Chogawan, District—Faridkot (Punjab), who was a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly from 99-Moga constituency held in May, 1980 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gurbux Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/99/80(12)]

नई विली 25 अक्टूबर, 1980

का० आ० 3537—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए ८-नरोट मेहरा (आ० जा०) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वालों उम्मीदवार श्री सुखदेव गाल, डालीया, पो० आ० दीना नगर, जिला गुरदासपुर (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रोक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना किए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकात्य नहीं है,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवंद्वारा उक्त श्री सुखदेव को संमद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[स० पंजाब-वि० स०/८/८० (४)]

New Delhi, the 25th October, 1980

S.O. 3537.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sukhdev, Village Dalia, P.O. Dina Nagar, District—Gurdaspur, (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 8-Dina Nagar (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sukhdev to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/8/80(4)]

का० आ० 3538—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 9-नरोट मेहरा (आ० जा०) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुखदेव, माफूत चौधरी सुन्दर सिंह का बंगला, जैल गेड़, गुरदासपुर (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रोक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकात्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवंद्वारा उक्त श्री सुखदेव को संमद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[स० पंजाब-वि० स०/९/८० (५)]

S.O. 3538.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sukhdev, C/o Bungalow of Chaudhri Sunder Singh, Jail Road, Gurdaspur (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 9-Narot Mehra (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sukhdev to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/9/80(5)]

का० आ० 3539—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 10-4-फरीदकोट निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कुलदीप सिंह गिल, मनजीत इन्द्र पुरा, फरीदकोट (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रोक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकात्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवंद्वारा उक्त श्री कुलदीप सिंह गिल को संमद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के मदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[स० पंजाब-वि० स० 104/८० (६)]

S.O. 3539.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kuldip Singh Gill, Manjit Inder Pura, Faridkot (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 104-Faridkot constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kuldip Singh Gill to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/104/80(6)]

का० आ० 3540—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 10-4-फरीदकोट निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भजन सिंह, गोब धुमियारा, पो० आ० करूर(बाला, लहौलीस फरीदकोट पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रोक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असकलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकार्य नहीं है ;

अतः, प्रबृ, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री धजन सिंह को संसद के किसी भी मदत के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं० पंजाब-वि० सं०/104/80 (7)]

S.O. 3540.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhajan Singh, Village Ghumiara, P. O. Kabar Bachha, Tehsil Faridkot (Punjab), a contesting candidate for And whereas the said candidate, even after due notice, has May, 1980 from 104-Faridkot constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhajan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/104/80(7)]

का० आ० 3541.यतः, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचित के लिए 108-लाम्बी निर्वाचित क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सोहन सिंह, गांव व पो० आ० अबूलखुराना, नहमील मुक्तसर, जिला फरीदकोट (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असकलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकार्य नहीं है ;

अतः ; प्रबृ, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री सोहन सिंह को संसद के किसी भी मदत के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं० पंजाब-वि० सं०/108/80(8)]

S.O. 3541.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sohan Singh, Village & P. O. Abul Khurana, Tehsil Muktsar, District Faridkot (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 108-Lambi constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sohan Singh to be disqualified for being chosen as, and for

being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/108/80(8)]

का० आ० 3542—यतः, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के निए साधारण निर्वाचित के लिए 108-लाम्बी निर्वाचित क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री धनी राम, गांव अमृतिया, तहसील मुक्तसर, जिला फरीदकोट (पंजाब) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असकलता के लिए कोई कारण अथवा 'स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकार्य नहीं है ,

अतः, प्रबृ, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री धनी राम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[मं० पंजाब-वि० सं०/108/80 (9)]

S.O. 3542.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dhani Ram, Village Andian, Tehsil Muktsar, District Faridkot (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 108-Lambi constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dhani Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB LA/108/80(9)]

का० आ० 3543.—यतः, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचित के लिए 69-खारां निर्वाचित क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्रार० एल० आनन्द, एच० एम० 5, फैज 2, भोहालो, जिला रोपड़-पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असकलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असकलता के लिए कोई पर्याप्त या न्यायीकार्य नहीं है ;

अतः, प्रबृ, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री प्रार० एल० आनन्द को संसद के किसी भी मदत के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं० पंजाब-वि० सं०/69/80 (10)]

S.O. 3543.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri R. L. Anand, H.M. 5, Phase 2, Mohali, District Ropar (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 69-Kharar constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri R. L. Anand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/69/80(10)]

कांसा 3544.—यतः, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में, हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचित के लिए 69-खरार निर्वाचित क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री तिलक राज, एच० फ० 1130, फैज़ 1, एस० ए० एस० नगर, जिला रोपड़ (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रतिवित अपने निर्वाचित व्ययों का कोई भी लेखा वाचिल करने में असफल रहे हैं;

यतः, अम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अवश्य स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसको पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण नहीं है;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एकदृष्टारा उक्त श्री तिलक राज को सदसद के किसी भी सदन के पाकिसी राज की विधान सभा प्रवास विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[संपादन-वि०स०/69/80(11)]

S.O. 3544.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Tilak Raj, H.E. 1130, Phase-I, S.A.S. Nagar, District-Ropar (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 69-Kharar constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Tilak Raj to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/69/80(11)]

मई दिनांकी 26 अक्टूबर, 1980

कांसा 3545.—यतः, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचित के लिए 112-नथाना (पंजाब) निर्वाचित क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नेब तिह, गोव व पी०प्रा० गंगा, लहौली व जिला भिट्ठिणा, (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रतिवित अपने निर्वाचित व्ययों का कोई भी लेखा वाचिल करने में असफल रहे हैं;

यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अवश्य स्पष्टीकरण नहीं दिया है और

निर्वाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके लिए इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या अधिकारित नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एकदृष्टारा उक्त श्री नेब तिह को सदसद के किसी भी सदन के या किसी राज की विधान सभा प्रवास विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. पंजाब-वि०स०/112/80(13)]

New Delhi, the 28th October, 1980

S.O. 3545.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Naib Singh, Village & P. O. Ganga, Tehsil and District-Bhatinda (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 112-Nathana (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Naib Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/112/80(13)]

कांसा 3546.—यतः, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचित के लिए 114-जोगा निर्वाचित क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नेब सिंह, सुकुल श्री करतर निह, गोव व पी०प्रा० गिल कला, लहौली फूल, जिला भिट्ठिणा (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रतिवित अपने निर्वाचित व्ययों का कोई भी लेखा वाचिल करने में असफल रहे हैं;

यतः, अब, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अवश्य स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या अधिकारित नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एकदृष्टारा उक्त श्री नेब सिंह को सदसद के किसी भी सदन के या किसी राज की विधान सभा प्रवास विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. पंजाब-वि०स०/114/80(14)]

S.O. 3546.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shor Singh, S/o Shri Kartar Singh, Village & P. O. Gull Kalan, Tehsil Phul, District Bhatinda (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 114-Joga constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said

Shri Sher Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/114/80(14)]

लाइब्रेरी 22 अक्टूबर, 1980

कांडा० 3547.—यह, निवाचित आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निवाचित के लिए 110-पक्का कला (अंजा०) निवाचित थे वे से चुनाव लड़े वाले उम्मीदवार औ बहुमत सिंह, चांव कुली मिथी, पौ.अंजा० मंत्रत, जिला अधिकारी (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व प्राधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निवाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ओर यह, उक्त उम्मीदवार ने, सम्पूर्ण सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रधान साधारण नहीं दिया है और निवाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीक व्यय नहीं है;

यह अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के प्रत्युत्तरण में निवाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री कला मिथी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुन जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० पंजाब-वि०स०/110/80 (15)]

New Delhi, the 29th October, 1980

S.O. 3547.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bahal Singh, Village Phullo Mithi, P. O. Sappat, District-Bhatinda (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 110-Pakka Kalan (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bahal Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/110/80(15)]

कांडा० 3548.—यह, निवाचित आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निवाचित के लिए 111-अधिकारी निवाचित थे वे से चुनाव लड़े वाले उम्मीदवार श्री अमन लाल, सुपुत्र श्री दीपत राम, मकान नं 5393, मोहल्ला तेलियालाला, बठिका (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व प्राधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित माने निवाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ओर यह, उक्त उम्मीदवार ने, सम्पूर्ण सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रधान साधारण नहीं दिया है और निवाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीक व्यय नहीं है,

अब, अब उक्त अधिनियम की धारा 10-के प्रत्युत्तरण में निवाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री अमन लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुन जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० पंजाब-वि०स०/111/80(16)]

S.O. 3548.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chaman Lal, S/o Shri Doulat Ram, H. No. 5393, Mohalla Telian Wala, Bhatinda (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 111-Bhatinda constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chaman Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/111/80(16)]

कांडा० 3549.—यह, निवाचित आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निवाचित के लिए 115-पन्तसा निवाचित थे वे से चुनाव लड़े वाले उम्मीदवार श्री ईमद बलवेद सिंह, सुपुत्र श्री करतार सिंह, बत्त मोहर सिंह जाड़ा श्री. ००० दालालाला लोक प्रतिनिधित्व प्राधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निवाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल 'करने में असफल रहे हैं;

ओर यह, उक्त उम्मीदवार ने, सम्पूर्ण सूचना दिए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रधान साधारण नहीं दिया है और निवाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीक व्यय नहीं है;

यह, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के प्रत्युत्तरण में निवाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री कैटन बलवेद सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुन जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० पंजाब-वि०स०/115/80(17)]

S.O. 3549.—Whereas the Election Commission is satisfied that Capt. Baldev Singh, S/o Shri Kartar Singh, Village Mohar Singh Wala, P. O. Dhelawan/Punjab, a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 115-Mansa constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, had not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Capt. Baldev Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/115/80(17)]

कांडा० 3550.—यह, निवाचित आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निवाचित के लिए 115-पन्तसा निवाचित थे वे से चुनाव लड़े वाले उम्मीदवार श्री बलवेद सिंह, सुपुत्र श्री मान निह श्री विकाकर्मी भनवर, मनसा मण्डी लोक प्रतिनिधित्व प्राधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निवाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल 'करने में असफल रहे हैं;

ग्रोर यत्, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस प्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री बलदेव सिंह, सूपुत्र श्री मान सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन बर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. पंजाब-विंस०/115/80 (18)]

S.O. 3550.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Baldev Singh S/o Shri Man Singh, Shri Vishavakarma Mandir, Mansa Mandi, Punjab, a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 115-Mensa constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Baldev Singh, S/o Sh. Man Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/115/80(18)]

नई विल्सो, 31 अक्टूबर, 1980

का०आ० 3551.—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए, पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 93-जालालाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जगननाथ, याना बाजार, जालालाबाद पश्चिम जिला फिरोजपुर (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीनीन बनाए गए नियमों द्वारा घोषित घपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में फ्रमफल रहे हैं;

ग्रोर यत्, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस प्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री जगन नाथ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन बर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. पंजाब-विंस०/93/80(20)]

New Delhi, the 31st October, 1980

S.O. 3551.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jagan Nath, Thana Bazar, Jalalabad West, District-Ferozepur (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 93-Jalalabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jagan Nath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/93/80(20)]

का०आ० 3552.—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 93-जालालाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बालाल चन्द, गोमानी बाला बालाली, जालालाबाद, जिला फिरोजपुर (पंजाब) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीनीन बनाए गए नियमों द्वारा घोषित घपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में फ्रमफल रहे हैं;

ग्रोर यत्, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस प्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री बालाल चन्द को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन बर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. पंजाब-विंस०/93/80(21)]

मादेंग से,

धूम्रु चट्टौ, अबर सचिव

S.O. 3552.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dayal Chand, Village Gomani Wala Dakhil, Jalalabad, District-Ferozepur (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 93-Jalalabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dayal Chand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/93/80(21)]

By order,

A. K. CHATTERJEE, Under Secy.

नई विल्सो, 27 अक्टूबर, 1980

का०आ० 3553.—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए लाल सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 38—सासाराम (ग्रोजा०) संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाली उम्मीदवार श्रीमती प्रतिराजी देवी ग्राम रायपुर चोर, पो०ग्रा० रायपुर, चोर वाया तकिया बाजार, रोहतास लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीनीन बनाए गए नियमों द्वारा घोषित घपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में फ्रमफल रही है;

ग्रोर यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस प्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसफलता के लिए कोई प्रयोगित कारण न्यायोचित नहीं है;

प्रत. प्रध, उक्त अधिनियम का धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित प्रायोग एतद्वारा उक्त श्रीमती अनिता देवी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदा की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. विहार सं. स०/38/80(1)]

New Delhi, the 27th October, 1980

S.O. 3553—Whereas the Election Commission is satisfied that Smt. Atirajo Devi, Village Raipur Chor, P. O. Raipur Chor, via Takia Bazar, Rohtas a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980, from 38-Sasaram (SC) constituency, has failed to lodge an account of her election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that she has no good reason or justification for the failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Smt. Atirajo Devi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/38/80(1)]

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1980

का० अ० 3554—प्रत, निर्वाचित प्रायोग का समाधान हो गया है कि प्रैल, 1979 में हुए पिजोरम विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचित के लिए 3-सैला विह० स० निर्वाचित लेप्चा से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भी० संगचेमा, पो० अ० लावंगस्लाही०, लिला लिमतुइपुरी०, पिजोरम लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा घोषित घपते निर्वाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यह, उक्त उम्मीदवार ने, सम्पूर्ण सूचना दिए जाने पर भी, हत असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचित प्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई वर्तन्त कारण नहीं दिया जायेगा।

प्रत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित प्रायोग एतद्वारा उक्त श्री भी० संगचेमा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदा की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. 76/पिजोरम विह० स०/3/79]

New Delhi, the 28th October, 1980

S.O. 3554—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri B. Sangchema, P. O. Lawangtlai, District Chintuipui, Mizoram a contesting candidate for general election to the Mizoram from 3-Saiha assembly constituency, held in April, 1979, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri B. Sangchema, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the

Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/MIZ-LA/3/79]

का० अ० 3555—प्रत, निर्वाचित प्रायोग का समाधान हो गया है कि अक्टूबर, 1979 में हुए मिकिम विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचित के लिए 21-सैलिंग पाचेखानी निर्वाचित लेप्चा से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शोवा कान्ति लेप्चा, गंगटोक, पूर्वी सिक्किम लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रभेक्षित प्रपते निर्वाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और यह, उक्त उम्मीदवार ने, सम्पूर्ण सूचना दिए जाने पर, भी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचित प्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण नहीं दिया जायेगा।

अत., अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित प्रायोग एतद्वारा उक्त श्री शोवा कान्ति लेप्चा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदा की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. मिकिम-एल ए/21/79]

S.O. 3555—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shova Kanti Lepcha, Gangtok, East Sikkim a contesting candidate for general election to the Sikkim Legislative Assembly from 21-Loosing Pachevkhani assembly constituency, held in October, 1979, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shova Kanti Lepcha, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/SKM-LA/21/79]

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1980

का० अ० 3556—प्रत, निर्वाचित प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचित के लिए पश्चिमी बंगाल के 19-वैरेकपोर संसदीय निर्वाचन-सेक्टर से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री विजय नारायण मिश्र, 3 फैसी लेन कलकत्ता-१ पश्चिमी बंगाल, सोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा घोषित घपते निर्वाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यह, उक्त उम्मीदवार को इस असफलता के लिए उसके बिए गए पते पर रजिस्टर्ड ए०डी० के अधीन जारी की गई कारण बताए सूचना घोषित घापते आ गई थी और की गई स्थानीय जांचों के प्रत्युत्तर उसका पता मालूम नहीं है;

प्रत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित प्रायोग एतद्वारा उक्त श्री विजय नारायण मिश्र को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदा की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. प० ब० स० स०/19/80]

New Delhi, the 14th November, 1980

S.O. 3556.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bijoy Narayan Misra, 3, Fancy Lane, Calcutta, West Bengal, a contesting candidate for general election to the House of the People, held in West Bengal in January, 1980 from 19-Barrackpore Parliamentary Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all, as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas, the notice to show cause for the failure issued to the said candidate, under registered A.D. at his given address, had been received back undelivered and as according to local enquiries made his whereabouts are not known;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bijoy Narayan Misra to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[W.B.H.P/19/80]

नहीं दिल्ली, 18 नवम्बर, 1980

का०आ० 3557—यत् निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि विसम्बर 1977 में द्वारा निर्वाचन सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 6-प्रारंभिक सभा निर्वाचन-जोड़े से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सत्य रंजन चक्रवर्ती, न० ४ अलनधीर नगर, पोस्ट ऑफिस अलनधीर नगर, अगरतला, पश्चिमी बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्विधीय बनाए गए नियमों द्वारा प्रभेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा भवित्व करने में असफल रहे हैं;

और, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अवश्यकरण नहीं दिया है, और उक्त उम्मीदवार द्वारा दिए गये अवश्येदम पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन प्रायोग का मह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण नायोन्त्रित नहीं है;

अतः, इव्व, उक्त प्रायोगिक विधान की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एतद्वारा उक्त श्री पी० श्री सुनमुभम को संसद के लिए भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अवश्य विधान परिषद् के सदन्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[संपूर्ण दिल्ली-वि०स०/6/77]

एस० सी० जैन, अध्यक्ष सचिव

New Delhi, the 18th November, 1980

S.O. 3557.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Satya Ranjan Chakraborty, No. 8, Arundhuti Nagar Post Office Arundhuti Nagar, Agartala, West Tripura a contesting candidate for general election to the Tripura Legislative Assembly from 6-Agartala assembly constituency held in December, 1977, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Satya Ranjan Chakraborty, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TP-LA/6/77]

By Order,
S. C. JAIN, Under Secy.

नहीं दिल्ली 29 नवम्बर, 1980

का०आ० 3558—यत् निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में द्वारा निमिलनाहु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 30-प्रिन्टार्मी नियमीय, निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पी० श्री सुनमुभम, धारकाशी गांव, कप्पार कोट्टर पोस्ट, श्रीपुरुषबुर लालुक (निमिलनाहु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्विधीय बनाए गए नियमों द्वारा प्रभेक्षित ग्रामने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा भवित्व करने में असफल रहे हैं;

और, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अवश्यकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन प्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायोनित नहीं है;

अतः, इव्व, उक्त प्रायोगिक विधान धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एतद्वारा उक्त श्री पी० श्री सुनमुभम को संसद के लिए भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अवश्य विधान परिषद् के सदन्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[स० तमिल०-वि०स०/30/80(29)]

New Delhi, the 29th October, 1980

S.O. 3558.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri P. V. Shumugam, Dharkani Village, Kapparkottur Post, Skipurumbudur taluk, Tamil Nadu, a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 from 30-Thiruttani Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri P. V. Shumugam to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order,

[No. TN-LA/30/80(29)]

नहीं दिल्ली 5 नवम्बर, 1980

का०आ० 3559—यत् निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में द्वारा निमिलनाहु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 81-पालाक्षों संसदीय निर्वाचन लोक से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पी० कुण्ठन, वालिया बाई जीर० स्टीट, तालुक पालाक्षोंहेड धर्मापुरी जिला (निमिलनाहु), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्विधीय बनाए गए नियमों द्वारा प्रभेक्षित ग्रामने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा विविल करने में असफल रहे हैं;

और, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अवश्यकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन प्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायोनित नहीं है;

अतः, इव्व, उक्त प्रायोगिक विधान की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एतद्वारा उक्त श्री पी० कुण्ठन को संसद के लिए भी सदन

या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य नुस्खे जाने और होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरक्षित घोषित करता है।

[स० त०न०-वि०म०/81/80/31]

भादेश से,
श्री० नै० राव, अवार सचिव

New Delhi, the 5th November, 1980

S.O. 3559.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri P. Krishnan, Vaniga Vaisiar Street, Taluk Palacode, Dharmapuri District (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 from 81- Palacode constituency, has failed to lodge an account of his election expenses, at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri P. Krishnan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/81/80(31)]

By order,

V. K. RAO, Under Secy.

नई दिल्ली, १ नवम्बर, 1980

का०धा० 3560.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 106 के अनुसरण में निर्वाचन आयोग नन् 1980 की निर्वाचन अर्जी संख्या 24 में दिया गया मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर का नारीख 10 नितम्बर, 1980 का निर्णय एतद्वारा प्रकाशित करता है।

भादेश से,

[म०८२/म० प्र० 124/80
सी०एम० ३४, अवार सचिव]

New Delhi, the 1st November, 1980

S.O. 3560.—In pursuance of Section 106 of the Representation of the People Act, 1951, the Election Commission hereby publishes the Order dated the 10th September, 1980 of the High Court of Madhya Pradesh, Jabalpur, in Election Petition No. 24 of 1980.

Election Petition No. 24 of 1980

“Dharti Pakad” Madanlal Agrawal Advocate of Daulatganj, Gwalior.

Petitioner.

Versus

- Shri Jinendra Kumar Jain resident of E-5/47, Arora Colony Bhopal.
- Shri Nandkishore Bhatt, resident of Bhatt Mohalla Shajapur, M.P.
- Shri Pyarelal C/O Bhartiya Janta Party Karyalaya, resident of Mukherjee Chowk, Bhopal.
- Shri Praveen resident of Manipur Ward No. 15 Post Ambikapur, district Surguja, M.P.
- Smt. Mainima Sultana resident of 41 Fatehgarh Bhopal, M.P.
- Returning Officer of Rajya Sabha Election, Bhopal.
- Secretary, Election Commission of India, New Delhi.
- The Union of India through : Secretary of India (Home Ministry), Ministry of Home Affairs New Delhi

.....Respondents

Election Petition under section 81(1) of the Representation of the People Act, 1951 against respondents No. 1 to 5, the returned candidates of Rajya Sabha Election, 1980.

Shri “Dharti Pakad” Madanlal Agrawal Advocate for the petitioner.

ORDER

By this petition, the petitioner has challenged the election to the Rajya Sabha held on 27-6-1980.

2. According to the petitioner, he wanted to contest the election for the Rajya Sabha and for that purpose had filed the nomination paper. He filed his nomination paper on 23-6-1980 after depositing the security amount as required. According to him, on 25-6-1980 when the nomination papers were scrutinized the Returning Officer rejected the nomination paper of the petitioner on the ground that it was not properly filed in as it did not bear the signature of the proposer Order not filed with the petition G.P.O.

3. The only ground urged in this petition by the petitioner is that section 33(1) of the Representation of the People Act which requires the nomination paper to be signed by one proposed who is an elector of the constituency is unconstitutional as under Act 84 of the Constitution a citizen of India who holds the necessary qualifications prescribed in this article is entitled to contest the election to either House of Parliament. According to the petitioner, what right has been given under Art. 84 has been taken away by section 33(1) of the Representation of the People Act. The Parliament while enacting section 33(1), exercising powers under Art. 327 of the Constitution had no authority to deprive the citizen of his right, which, according to the petitioner, vested in his under Art. 84 of the Constitution of India.

4. The petitioner, who is present in person, contended that the requirement of an elector to propose the name of the candidate as a proposer also goes against the principles of secret ballot as an elector who proposes the name of the candidate openly demonstrates that he proposed to vote for the candidate, although there is no provision in law of elections which requires a proposer to vote for the candidate proposed by him. According to the petitioner, this is also a ground on the basis of which the requirement under section 33(1) should be struck down, that is, it goes contrary to the secrecy of ballot. No other question was pressed.

5. Article 84 of the Constitution provides —

“84. A person shall not be qualified to be chosen to fill a seat in Parliament unless he —

- is a citizen of India, and makes and subscribes before some person authorized in that behalf by the Election Commission an oath or affirmation according to form set out for the purpose in the Third Schedule;
- is, in the case of a seat in the Council of States, not less than thirty years of age and, in the case of a seat in the House of the People, not less than twenty five years of age; and
- possesses such other qualifications as may be prescribed in that behalf by or under any law made by Parliament.”

This article provides for the necessary qualifications for membership of the Parliament. It does not provide the machinery or process of election. The process of election has not been specifically provided in the Constitution but Art. 327 empowers the Parliament to legislate on the subject of elections. Article 327 reads —

“327. Subject to the provisions of this Constitution, Parliament may from time to time by law make provision with respect to all matters relating to, or in connection with, elections to either House of Parliament or to the House or either House of the Legislature of a State including the preparation of electoral rolls, the delimitation of constituencies and all other matters necessary for securing the due constitution of such House or Houses.”

The provision clearly confers powers on the Parliament to legislate on all matters relating to or in respect of the holding

of elections to the Parliament and also matters connected with the constitution of either House of Parliament. The language used in this article clearly confers wide authority on the Parliament to make laws about the procedure and related matters of elections. It is no doubt true that Art. 327 does talk of "subject to the provisions of this Constitution" and it is clear that when power is conferred on the Parliament under the Constitution itself, the laws have to be subject to the Constitution. There is no other provision in the Constitution prescribing the manner of elections.

6. Chapter 2 of the Constitution deals with Parliament and Article 80 provides for the composition of the Council of States. Sub-clause (4) of Article 80 provides —

"80 (4) The representatives of each States in the Council of States shall be elected by the elected members of the Legislative Assembly of the State in accordance with the system of proportional representation by means of the single transferable vote."

This provides that the representatives of each State in the Council of States shall be elected by the elected members of the Legislative Assembly of that State in accordance with the system of proportional representation by means of the single transferable vote and as referred to above, Art. 84 provides for the qualifications of a person who could fill a seat in the Parliament. The basic manner of election i.e. proportional representation by the single transferable vote has been provided in Art. 80 and it is apparent that the rest of the procedure has been left to the Parliament and the Parliament in exercise of its powers has enacted the Representation of the people Act.

7. Section 33 of the Representation of the People Act falls in Part V Chapter I with the heading "Nomination of candidates". Section 33 provides —

"33. Presentation of nomination paper and requirements for a valid nomination.—

(1) On or before the date appointed under clause (a) of section 30 each candidate shall, either in person or by his proposers, between the hours of eleven O' clock in the forenoon and three O' clock in the afternoon deliver to the returning officer at the place specified in this behalf in the notice issued under section 31 a nomination paper completed in the prescribed form and signed by the candidate and by an elector of the constituency as proposer :

Provided that no nomination paper shall be delivered to the returning officer on a day which is a public holiday.

(1A) Notwithstanding anything contained in subsection (1), for election to the Legislative Assembly of Sikkim (deemed to be the Legislative Assembly of that State duly constituted under the Constitution), the nomination paper to be delivered to the returning officer shall be in such form and manner as may be prescribed.

Provided that the said nomination paper shall be subscribed by the candidate as assenting to the nomination, and—

- (a) in the case of a seat reserved for Sikkimese of Bhutia-Lepcha origin, also by at least twenty electors of the constituency as proposers and twenty electors of the constituency as seconders;
- (b) in the case of a seat reserved for Sanghas, also by at least twenty electors of the constituency as proposers and at least twenty electors of the constituency as seconders;
- (c) in the case of a seat reserved for Sikkimese of Nepali origin, by an elector of the constituency as proposer :

Provided further that no nomination paper shall be delivered to the returning officer on a day which is a public holiday.

(2) In a constituency where any seat is reserved, a candidate shall not be deemed to be qualified to be chosen to fill that seat unless his nomination paper contains a declaration by him specifying the particular caste or tribe of which he is a member and the area in relation to which that

caste or tribe is a Scheduled Caste or, as the case may be a Scheduled Tribe of the State.

(3) Where the candidate is a person who, having held any office referred to in section 9 has been dismissed and a period of six years has not elapsed since the dismissal, such person shall not be deemed to be duly nominated as a candidate unless his nomination paper is accompanied by a certificate issued in the prescribed manner by the Election Commission to the effect that he has not been dismissed for corruption or disloyalty to the State

(4) On the presentation of a nomination paper, the returning officer shall satisfy himself that the names and electoral roll numbers of the candidate and the proposer as entered in the nomination paper are the same as those entered in the electoral rolls :

Provided that no misnomer or inaccurate description or clerical, technical or printing error in regard to the name of the candidate or his proposer or any other person, or in regard to any place, mentioned in the electoral roll or the nomination paper and no clerical, technical or printing error in regard to the electoral roll numbers of any such person in the electoral roll or the nomination paper, shall affect the full operation of the electoral roll or the nomination paper with respect to such person or place in any case where the description in regard to the name of the person or place is such as to be commonly understood; and the returning officer shall permit any such misnomer or inaccurate description or clerical, technical or printing error to be corrected and where necessary, direct that any such misnomer, inaccurate description, clerical, technical or printing error in the electoral roll or in the nomination paper shall be overlooked.

(5) Where the candidate is an elector of a different constituency, a copy of the electoral roll of that constituency or of the relevant part thereof or a certified copy of the relevant entries in such roll shall unless it has been filed along with the nomination paper, be produced before the returning officer at the time of scrutiny.

(6) Nothing in this section shall prevent any candidate from being nominated by more than one nomination paper :

Provided that not more than four nomination papers shall be presented by or on behalf of any candidate or accepted by the returning officer for election in the same constituency."

This provision requires the nomination paper to be completed in the prescribed form and signed by the candidate and by the elector of the constituency as a proposer. According to the petitioner, by this provision an additional qualification has been introduced and a person may be qualified to fill a seat in the Parliament under Art. 84 but unless he gets a proposer out of the electors of that constituency he cannot contest an election and this, according to the petitioner, is inconsistent with Art. 84 of the Constitution and, therefore, ultra-vires.

8. Article 84 of the Constitution, no doubt, prescribes the qualifications which a person must possess if he is chosen to fill a seat in the Parliament as the language of Art. 84 emphasises that "a person shall not be qualified to be chosen to fill a seat in Parliament unless he". This clearly goes to show that the requirements under Article 84 are the requirements of a person to be chosen to fill a seat in the Parliament. The process of choosing is the next step. It, therefore, does not indicate that as soon as a person holds the necessary qualifications he becomes fit to fill a seat in the Parliament. What is further required is that if he does not hold any one of these qualifications, he cannot be allowed to be chosen. The word "chosen" has not been further clarified. It positively indicates the process of choosing and it is, therefore, clear that what Art. 84 requires is only the qualifications of a person who can be a candidate for a seat in the Parliament. But it does not mean that the process of choosing may not be provided for and it is this process which has been left over

to be prescribed by the Parliament under Article 327. It, therefore, could not be contended that merely because in the process of election as provided for under the Representation of the People Act if it is required that the candidate must fill in a form duly filled in and signed by one of the electors of the constituency it adds to the requirement which is already provided under Art. 84.

9. According to the petitioner, Art. 102 of the Constitution provides for disqualifications for being chosen and for being a member of the House of Parliament. Article 102 provides —

"102(1) A person shall be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament —

(a) if he holds any such office of profit under the Government of India or the Government of any State as is declared by Parliament by law to disqualify its holder ;

(b) if he is of unsound mind and stands so declared by a competent court ;

(c) If he is an undischarged insolvent ;

(d) if he is not a citizen of India, or has voluntarily acquired the citizenship of a foreign State, or is under any acknowledgment of an allegiance or adherence to a foreign State ;

(e) if he so disqualified by or under any law made by Parliament."

This article provides for disqualifications for being chosen or for being a member of the House of Parliament. It refers to two stages and this also indicates the qualifications and disqualifications which have been provided in the two articles of the Constitution for being chosen for seat in the Parliament. Only in case if a person possesses qualifications as provided for in Article 84 and is not disqualified as provided in Art. 102, he can be chosen to fill a seat in the Parliament. How he has to be chosen to fill a seat in the Parliament has been left open and that process has been left to the Parliament and legislative functions. It therefore, could not be said that the Representation of the People Act while providing for the manner in which a candidate could be chosen to fill a seat in the House of Parliament has provided a procedure. It could not be contended. That procedure deprives a citizen of his right. In fact, Art. 84 does not confer any right but it only provides the qualifications which are necessary for a person to be chosen to a seat in the Parliament.

10. While enacting the Representation of the People Act, it appears that section 33 has been provided for all elections as it talks of a proposer who is an elector in the constituency and it appears that it has been provided only to regulate the sections to the various seats in the various Assemblies in the State or the Parliament. It may be that a person who wants to be chosen to a seat in the Parliament is not able to get an elector of the constituency to sign the nomination paper as a proposer. But it does not mean that the person does not hold the necessary qualifications. After all, if a person is not elected he does not become a member of either House of the Parliament although a citizen may claim to have a right to be elected. I, therefore, see no restriction being put on the exercise of a right by the provisions contained in section 33 of the Representation of the People Act.

11. The second question raised by the petitioner is that an elector has to sign the nomination paper, as a voter his exercise of franchise is published and, therefore, it is contrary to the policy of secret ballot. Admittedly, there is no provision which requires an elector who signs a nomination paper as a proposer to vote for that candidate. The exercise of right of vote is not controlled by signing the nomination paper as a proposer and it, therefore, could not be said that by signing the nomination paper of a proposer the elector discloses the manner in which he has to cast his vote. I, therefore, see no substance in this ground also.

12. Of the grounds mentioned in section 100 for an election petition the only ground on which this petition is based is the improper rejection of the nomination paper which is

a ground under section 100(1) (c). Section 100(1) (c) says —

"100. Grounds for declaring election to be void.—

(1) Subject to the provisions of sub-section

(2) if the High Court is of opinion —

(c) that any nomination has been improperly rejected; or

the High Court shall declare the election of the returned candidates to be void."

Admittedly, the nomination paper of the petitioner is rejected because it did not have the signature of an elector as a proposer. It is not the grievance of the petitioner that this rejection is improper. His grievance is that section 33 of the Representation of the People Act is ultra vires of the Constitution and, therefore, as the ground alleged in the petition does not exist, this petition is based on none of the grounds on the basis of which the election could be declared to be void.

13. As already discussed, there is no substance in the contention that section 33 is ultra vires of the Constitution. Thus, the petition is not based on any ground on the basis of which the election could be declared as void. Consequently, the petition could not be entertained. It is, therefore, dismissed. The petitioner shall be entitled to a refund of the security amount in due course.

Sd/- G. L. Oza
Judge
10-9-1980.
[No. 82/MP/24/80]
By order,
C. L. ROSE, Under Secy.

New Delhi, the 26th November, 1980

S.O. 3561.—In pursuance of section 106 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Election Commission hereby publishes the judgment of the High Court of Judicature, Andhra Pradesh, dated 24th October, 1980 in Election Petition No. 1 of 1980.

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE : ANDHRA PRADESH: AT HYDERABAD.

FRIDAY THE TWENTY FOURTH DAY OF OCTOBER
ONE THOUSAND NINE HUNDRED AND EIGHTY

PRESENT
THE HONOURABLE MR. JUSTICE JEEVAN REDDY.

ELECTION PETITION NO. 1 of 1980.

BETWEEN

Ch. Achaiah. ... Petitioner.

AND

1. Chennupati Vidya.
2. Chennupati Seshagiri Rao.
3. V. Pothanna, City Congress (J) President, Vijayawada.
4. Pandu Saheb.
5. Dr. K.L. Rao.
6. Dasari Nagabhushanarao.
7. Ch. Poornachandra Rao.
8. Dr. V. Sikhamani.
9. A. Rajaiyah.

10. The Returning Officer, Incharge of Election, Vijayawada Parliamentary Constituency, Vijayawada.

... Respondents.

Petition under Section 100(i) and Section 80, 80(A) and 91 of the Representation of People Act, 1951 praying that in the circumstances stated in affidavit filed therewith, the High Court will be pleased to declare the election of the 1st respondent namely Smt. Chennupati Vidya, from Vijayawada Parliamentary Constituency of Andhra Pradesh to Lok Sabha as void and to award costs of the petitioner;

The petition coming on for hearing upon perusing the petition, and the affidavit filed in support thereof the written statement and of the Respondent No. 1, counter affidavit of the Respondent No. 10, the Rejoinder filed by the petitioner and the record in the case and upon hearing the arguments of Mr. T. Subrahmanyam, Advocate for the petitioner and of M/s. K. Jagannadha Rao, M. Balarama Murthy and Prabhakar Rao, Advocates for the respondents 1 & 2 and of the Government Pleader for G.A.D. on behalf of the respondent No 10, and the Respondents Nos. 3 to 7 and 9, not appearing in person or by advocate and the Respondent No. 8 having remained absent and set ex parte, the Court delivered the following:—

JUDGMENT :—

This election petition was filed questioning the validity of the first respondent's election to Lok-sabha in January 1980, on the ground that the first respondent has been guilty of several corrupt practices. The corrupt practices alleged were that she induced one of the potential candidate not to apply for congress (I) ticket by promising him the Chairmanship of the District Wakf Board, that the first respondent bribed the voters to vote in her favour, that she provided transport to the voters to the polling booths and that she has exceeded the limit of election expenses. Absolutely no particulars were mentioned in support of the allegations of corrupt practices. Neither the names of the voters, who were said to have been bribed or transported, as the case may be, nor the registration numbers of the vehicles, which are supposed to have carried the voters, were furnished, nor the specific items of expenditure which were said to be in excess of the prescribed limit, were furnished. Only general allegations were made that several lakhs of rupees were spent upon several items all over the constituency.

The first respondent filed her counter denying the several allegations. Thereupon necessary issues were framed. For some reason, which is not clear, the first respondent did not choose to apply for striking off the allegations relating to the corrupt practices on the ground of lack of particulars. The matter was posted for trial. The petitioner was examined as P.W. 1 and he was also cross-examined at length. One thing is clearly evident from his testimony viz., that he is unable to prove any particulars fact or specific instance. His evidence is full of general assertions and most of the facts spoken to by him are said to have been derived from other persons. It is clear that on the basis of such evidence, none of the corrupt practices alleged by the petitioner against the first respondent could be said to have been proved.

After P.W. 1's evidence was closed P.W. 2 was put in the witness box. When P.W. 2 wanted to mention the registration numbers of the vehicles in which the voters were said to have been carried to the polling booths, an objection was raised by Sri K. Jagannadha Rao, learned counsel for the first respondent that in the absence of any particulars in the election petition, the witness cannot be allowed to speak to the registration numbers of the vehicles or give specific instances of corrupt practices. Since this objection was basic in nature, I postponed the examination of P.W. 2, giving opportunity to both parties to argue upon the said aspect. The matter was adjourned to yesterday i.e. 23-10-1980.

When the matter was called on 23-10-1980 the petitioner was not present. His counsel filed a memo signed by the petitioner, which reads as follows:—

"I humbly submit that I have filed the Election petition No. 1/80 relying on the information furnished to me by several people. I do not have any personal knowledge about the same. I also deposed to the same effect in this Hon'ble Court. But, I am not in a position to produce any evidence in this behalf. I, therefore, pray that the Hon'ble court may be pleased to dispose of the Election petition No. 1/80 accordingly."

The counsel for the petitioner is also not prepared to go on with the matter. The witnesses also are not ready. In other words, the petitioner is not prepared to prosecute the election petition.

In this situation a question arises, "Whether the election petition can be dismissed for default or whether in this case, the provisions of Section 109 of Representation of People Act 1951 are attracted?." I called upon both the counsel to clarify the legal position in this behalf.

Sri K. Jagannadha Rao, learned counsel for the first respondent has brought to my notice a full Bench decision of Allahabad High Court in DURYODHAN v. SITARAM (1) A.I.R. 1970 Allahabad page 1, wherein it has been held that inasmuch as the C.P.C. has been applied to the proceedings in an election petition, orders 9 and 17 of C.P.C. apply to an election petition and that an election petition can be dismissed for default of the appearance of the petitioner under Order 9 Rule 8 C.P.C. It has been pointed out that in such a case, Section 109 of the Representation of People Act is not attracted. In fact, the full Bench has pointed out that there is a lacuna in the Act. It is also brought to my notice that this Full Bench decision has been approved by the Supreme Court in RAJENDRA KUMARI BAJPAI v. RAM ADHAR. YADAV (2) 1975 (2) Supreme Court Cases (Para 10).

I must observe that in the light of vague allegations of corrupt practices made in the election petition, which is totally devoid of any particulars or instances of corrupt practices, it is indeed impossible for any one to prove those allegations, because in the absence of any such particulars in the election petition, the petitioner cannot be allowed to lead specific evidence as to a particular instance or fact. Permitting the petitioner to do so would mean opening up of an uncharted field totally unregulated by the pleadings.

In the circumstances, the election petition is dismissed for non-prosecution. The petitioner shall pay a sum of Rs. 1,000/- by way of costs to the first respondent through her counsel. The same shall be paid out of the deposit made by the petitioner in this court. The balance remaining, after defraying the above amount and other expenses, if any, shall be refunded to the petitioner.

It is stated that the first respondent has deposited Rs. 1,000/- towards copies of the depositions of the witnesses. The charges for the copies already supplied to the counsel for the first respondent shall be deducted out of the said amount, along with other expenses, if any, incurred, and the balance amount shall be refunded to the first respondent.

APPENDIX OF EVIDENCE

List of Witnesses Examined for the Petitioner :

1. Ch. Achaiah (Petitioner) (Partly examined).
2. P.W. 2 : P. Kutumba Rao (alias Chinni) (Partly examined).

List of Documents Marked for the Petitioners

- Ex. A. 1 : Name of the petitioner at S1. No. 359, at page No. 9 of the voters list — 1977 of 78, Vijayawada Assembly Constituency.
- Ex. A. 2 : Portion of News item marked in Visalandhra dt. 8-12-79.
- Ex. A. 3 : Portion of News item marked in the Hindu dt. 8-12-79.
- Ex. A. 4 : News item published in Andhra Prabha dt. 10-12-1979.
- Ex. A. 5 : File relating to Wakf Board. Krishna.
- Ex. A. 6 to Ex. A. 13 : Photographs.
- Ex. A. 14 : Certified copy of expenditure statement of Respondent No. 1.
- Ex. A. 15 : Cutting of News Paper of Enadu produced by the petitioner.
- Ex. A. 16 : An extract of the Rent Register of the old State Guest House, Vijayawada.

List of Documents Marked for the Respondent :

- Ex. B. 1 : New item published in Eanadu News Paper dt. 9-12-79.
- Ex. B. 2 : Pamphlet.
- Ex. P. 3 : Wall poster.
- Ex. P. 4 : Wall poster.
- Ex. P. 5 : -do-
- Ex. P. 6 : -do-

[true copy]

Sd/- K. P. Venugopal, Asst. Registrar (J.I)

[No. 82/AP-HP(1/80)/80t

By order,
K. GANESAN, Secy. to the Election Commission of India.